

रीवा संभाग के महाविद्यालयों में अध्ययनरत खिलाड़ियों के व्यक्तित्व विकास

में खेलों के प्रभाव का अध्ययन

रविकान्त चौधरी

शोधार्थी, एम. पी. एड., एम. फिल., शारीरिक शिक्षा

एस एम मिश्रा

प्राध्यापक, संजय गांधी स्मृति शा. स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीधी,

मध्यप्रदेश

प्रस्तावना:

खेल न केवल हमारे शारीरिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण होते हैं बल्कि मानसिक, सामाजिक, और आध्यात्मिक विकास में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेलों का खास महत्व विद्यालयीन शिक्षा में है, जहाँ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ उनकी शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को भी सुनिश्चित किया जा सकता है। इसी प्रकार, रीवा संभाग के महाविद्यालयों में खेलों के प्रभाव का अध्ययन करने का उद्देश्य यहाँ है कि कैसे खिलाड़ियों के खेलों में प्रतिभाशील होने का अनुभव उनके व्यक्तित्व विकास में सहायक हो सकता है।

रीवा संभाग में खिलाड़ी प्रशिक्षण केंद्रों और खेल गतिविधियों की भारी संख्या होने के कारण, यहाँ के महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं में खेल के प्रति रुझान उत्कृष्ट है। इसलिए, इस अध्ययन में हम देखना चाहते हैं कि खिलाड़ियों के खेलों में सक्षम होने का अनुभव उनके स्वयं की प्रतिभा, सामाजिक संवाददाता बनने की क्षमता, और सामर्थ्य में कैसे सुधार कर सकता है।

इस अध्ययन के लिए हम विभिन्न रीवा संभाग के महाविद्यालयों में खिलाड़ियों को संपर्क करेंगे और उनसे संबंधित जानकारी एकत्र करेंगे। हम उन्हें उनके खेल अनुभव, उनके खेल में मिले सफलतापूर्वक क्षण, और खेलों के अन्य तत्वों पर सवालियों के माध्यम से अध्ययन किया गया है, साथ ही, हम छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व विकास के लिए खेलों का कैसे एक माध्यम बना सकते हैं, इस पर भी विचार करेंगे।

इस अध्ययन के परिणाम और उनके विश्लेषण से, हमें यह ज्ञात होगा कि रीवा संभाग के महाविद्यालयों में खेलों का अध्ययनरत खिलाड़ियों का व्यक्तित्व विकास कैसे हो रहा है और कैसे इसे और बेहतर बनाया जा सकता है।